

जैसलमेर नगर परिषद की कमाऊ कुर्सी के लिए शह-मात का खेल

जैसलमेर, (नि.सं.)। थार की मरुभूमि के सियासी गलियारों में इन दिनों एक बार फिर नगर परिषद की कमाऊ कुर्सी को लेकर शह और मात का खेल शुरू हो चुका है।

राजनैतिक हलकों में तैरती खबरों और चर्चाओं की मानें तो, जैसलमेर के पवनसूदा को मोहरा और सीडी बनाकर, फकीर परिवार एक बार फिर नगर परिषद की सत्ता पर अपना पूर्ण नियंत्रण यानी सल्तनत स्थापित करने की फिराक में है। इस नए खेल ने शहर के जागरूक नागरिकों और विपक्षी खेमों को चौकन्ना कर दिया है, क्योंकि इसके पीछे करोड़ों रुपये की सस्कारी जमीनों के बंदरबांट का पुराना इतिहास छिपा है।

इस पूरे खेल की क्रोनोलॉजी को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को पलटना जरूरी है। पूर्व में हरिवल्लभ कल्ला के सभापति कार्यकाल के दौरान जो राजनैतिक घटनाक्रम हुआ, वह जैसलमेर के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय माना जाता है।

राजनैतिक विश्लेषकों के अनुसार, उस दौरान रणनीतिक तौर पर पार्षदों और मोहरों को निर्दलीय से कांग्रेस खेमे

संस्कृत भारती व जेएनवीयू में एमओयू जोधपुर, (कासं)। पण्डित दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सोमवार को विश्वविद्यालय के डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं संस्कृत भारती जोधपुर के मध्य समझौता ज्ञापन सम्पन्न हुआ। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव तथा संस्कृत भारती की ओर से तुलसी दास शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल स्वरूप को समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध दार्शनिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक परम्परा का एक बड़ा हिस्सा संस्कृत भाषा में निहित है।वर्तमान समय में नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परम्परा से जोड़ने में संस्कृत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन के नए अवसर प्रदान करेगा।

गर्ग ने संकल्प पत्र के वादे पूरा करने का भरोसा दिया

जालोर, (कासं)। निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को एक निती होटल में जालोर विधायक (मुख्य सचेक) जोगेश्वर गर्ग ने प्रेस वार्ता में मीडिया के समक्ष नगरीय निकाय संकल्प पत्र जारी करते हुए जनता को वादे निभाने का आश्वासन दिया।

प्रेस वार्ता में विधायक गर्ग ने कहा कि वीर वीरमेदव पैरामा निर्माण का कार्य प्रापित पर है, भगवत्सिंह स्टेडियम में इंडोर टेबल टेनिस व बैडमिन्टन कोर्ट्स का निर्माण, विवेकानुद युवा हास्टल का निर्माण, बैधानाथ महादेव मंदिर से केशवाना रोड तक रोड लाईट, सुन्दलाव तालब स्थल पर दो करोड की लागत से तालाब के सौन्दर्य एवं विकास का कार्य किया जा रहा है। लव कुश वाटिका का निर्माण, तालाब की पाल पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण, रिंग रोड,चित्तहण्णी, वानरानाडी, पीएचईडी ऑफिस शिवाजी नगर, रतनपुरा रोड, धवला नाराणवास सडक का निर्माण कार्य, आरओबी निर्माण,नर्सिंक हाउस में करीब साढे सत्तर लाख रुपये का कार्य, सांख्यिकी कार्यालय का नवीनीकरण, डिफेंस ट्रेनिंग सेंटर जालोर सहित कई विकास कार्य करवाये।

डॉ.पवन ओझा को अर्वाड मिला

जालोर, (कासं)। नर्सिंग क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक को आमर्सों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं आरएच हेल्थ केयर सिसुलेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ‘लौबल नर्सिंग समिट-2026’का भव्य आयोजन जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के ऑडिटोरियम में किया गया।

इस मौके पर राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जालोर से फैकल्टी मोहनसिंह गुर्जर ,यशवंत दुसल, डिंपल गर्ग , सुरेश गर्ग राक्षेय्या, देवाराय , राजेश मुंडोंतिया, गोविंद सहित 50 से अधिक शिक्षणार्थियों ने कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

में लाया गया था। सत्ता का यह जोड़–तोड़ केवल राजनैतिक वर्चस्व के लिए नहीं, बल्कि नगर परिषद के जरिए शहर के सबसे प्राइम लोकेशंस की जमीनों को अपने चहेते भू–माफियाओं के हवाले करने की एक बड़ी प्रशासनिक और राजनैतिक साजिश का हिस्सा था।

इस राजनैतिक गटजोड़ का सबसे बड़ा शिकार बनी जैसलमेर के ढीबा पाड़ा क्षेत्र की बेशकीमती सरकारी जमीन। सूत्रों और स्थानीय दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे कालखंड में नियमों को ताक पर रखकर आवंटन ढीबा पाड़ा की अत्यंत मूल्यवान और व्यावसायिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण जमीनों को औन–पैने दायों पर भू–माफियाओं को आवंटित कर दिया गया।

सरकारी रेवेन्यू को अरबों का चुना जिस जमीन से राज्य सरकार और नगर परिषद को अरबों रुपये का राजस्व (रेवेन्यू) मिल सकता था, उसे व्यक्तिगत और राजनैतिक स्वार्थों की बलि चढ़ा दिया गया। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने व जनता की संपत्ति पर डाला गया एक सुनियोजित डाका था

पूरे खेल में चंद चुनिंदा भू–माफिया

जालोर, (कासं)। निकाय चुनाव 2026 के लेकर भौंप्र प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को प्रत्याशियों ने अपनी सारी ताकत झोक दी है। इस बार पहली बार टैक्सी व अन्य कई माध्यम से प्रचाराी प्रचार करते नजर आये।निकाय चुनाव से पहले शहर की बदहाल स्थिति को लेकर तीसरा मोर्चा तैयार हुआ था, लेकिन नामांकन के बाद प्रचार में तीसरा मोर्चा भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी के समक्ष फिसडडी साबित होते नजर आ रहा है।

निकाय चुनाव से पहले शहर में विकास नही होने से तीसरा मोर्चा के रूप में जालोर बचाओ विकास समिति व परिवर्तन विकास पार्टी ने हुकार भरते हुए चालीस ही वार्डों में प्रत्याशी उतारने की तैयारिया का। चुनाव नजदीक आते आते जालोर बचाओ विकास पार्टी को अधिकतर प्रत्याशी मिल गये। वही परिवर्न विकास पार्टी तो पूर्णत विलुप्त हो गई, लेकिन जालोर बचाओ विकास समिति ने स्वयं के खर्च से प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारा है।

जालोर बचाओ विकास पार्टी के

■ राजनैतिक हलकों में चर्चा है कि फकीर परिवार एक बार फिर नगर परिषद की सत्ता पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने की फिराक में है

रातों–रात जैसलमेर के बड़े शक्ति केंद्र बन गए, जिन्हें पदें के पीछे से फकीर परिवार और तत्कालीन नगर परिषद प्रशासन का खुला संरक्षण प्राप्त था।

आज जब जैसलमेर में फिर से नगर परिषद की गद्दी को लेकर अंदरूनी खींचतान जारी है, तब शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि पवन सूदा जैसे चेहरे केवल एक मुछौटा है। असली मकसद जैसलमेर की बची–कुची बेशकीमती जमीनों, पट्टों के खेल और नगर परिषद के भारी–भरकम बजट पर पुनः उसी विशेष परिवार का एकाधिकार स्थापित करना है।

इतिहास गवाह है कि जब–जब ऐसे

स्वार्थी तत्वों को राजनैतिक सीढ़ी बनाया गया, तब–तब जैसलमेर के विकास का बजट और यहाँ की सरकारी जमीनें चंद रसूखदारों की तिजोरियों में बंद हो गईं। अब देखना यह है कि क्या मारवाड़ का वर्तमान राजनैतिक नेतृत्व और सजा जनता इस कमाऊ नगर परिषद को पुनः उसी पुरानी सल्तनत का हिस्सा बनने देगी, या फिर भू–माफियाओं के इस नए चक्रव्यूह को समय रहते ध्वस्त कर दिया जाएगा।

जैसलमेर नगर परिषद और ढीबा पाड़ा भू–खंड आवंटन विवाद के दौरान तत्कालीन विपक्ष व बागी पार्षदों ने बोर्ड बैठकों और मीडिया में तीखे बयान देते हुए जनता की धोधार को कौड़ियों के दम लुटाने और परिषद की वित्तीय रीढ़ तोड़ने का आरोप लगाया था।

पार्षदों का कहना था कि निर्दलीय समर्थन का इस्तेमाल केवल जमीनों के खेल और चुनिंदा लोगों को उपकृत करने के लिए किया गया था।

इस संबंध में अधिक जानकारी स्थानीय नगर परिषद रिकॉर्ड्स और जैसलमेर की राजनीतिक रिपोर्ट्स में उपलब्ध है।

जैसलमेर, (नि.सं.)। नगरपरिषद चुनाव में वार्ड 32 का मुकाबला इस बार सीधा है। भाजपा के युवा प्रत्याशी विजय डांगरा और कांग्रेस के पवन सूदा आमने–सामने हैं। वार्ड में कुल 1,069 मतदाता और एक मतदान केंद्र है, ऐसे में अंतिम परिणाम में व्यक्तिगत संपर्क और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की क्षमता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विजय डांगरा की चुनौती ताकत का एक प्रमुख पहलू उनका युवा चेहरा और स्थानीय स्तर पर लगातार संपर्क है। उनके समर्थक उनके सरल व्यवहार और परिवार से मिले संस्कारों को उनकी राजनीतिक पहचान का हिस्सा बताते हैं। उनका फोकस केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं, बल्कि आगे नगरपरिषद में सक्रिय भूमिका निभाने और जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने का है।

विजय डांगरा के पक्ष में भाजपा का संगठनात्मक नेटवर्क भी एक महत्वपूर्ण है। भाजपा ने उन्हें वार्ड 32 से अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में व्यक्तिगत संपर्क के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं और बु्ध स्तर की व्यवस्था को उनके पक्ष में महत्वपूर्ण आधार माना जा सकता है। चुनौती चर्चा में विजय डांगरा की

चेन लूट के दो आरोपियों को दिल्ली से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट राम मोहल्ला ने एक सितंबर को चूड़ा के गले से चेन लूटकर ले जाने के संबंध में पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को दिल्ली से पकड़ा है। आरोपियों से लूट की अन्य घटनाओं के संबंध में पड़ताल जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नागौरी गेट थाना पुलिस ने बताया कि 1 सितंबर को सुधीर टाक पुत्र विजय सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया था। उसके अनुसार उसकी माताजी शाम के समय घर के बाहर बैठी थी तब दो बदमाश आए और पता पूछने के बहाने उनके गले से चेन तोड़कर भाग निकले। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीम का गठन किया।

पुलिस ने अब दो आरोपियों उत्तरपूर्वी दिल्ली के सिलामपुर निवासी इकबाल उर्फ पसीनी उर्फ गुडा और न्यू सलूबर उतर दिल्ली निवासी वसीम उर्फ इमरान को गिरफ्तार किया है। इस बारे में पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ के साथ अन्य वारदातों का भी पता लगाया जा रहा है।

वार्ड एक नंबर और दो नंबर दोनों जगह कांग्रेस के गजेंद्र सिंह मंडली व नीलम बिरला प्रचार में आगे चल रहे हैं। वहीं वार्ड 32 में पूर्व सभापति राकेश भाटी जो भाजपा से कांग्रेस में आए हैं, रैली निकाल कर ताकत दिखा चुके हैं। उनके सामने उनके साले की बहू पूर्णिमा

जोधपुर में घोसी समाज का कांग्रेस के बहिष्कार का ऐलान

जोधपुर, (कासं)। आजादी के बाद से लगातार कांग्रेस का समर्थन कर रहे घोसी समाज ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नगर निगम चुनाव में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर घोसी समाज ने कांग्रेस के बहिष्कार का ऐलान किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समाज के हाजी मोहम्मद तंवर, शकूर सोलंकी और जाकिर सोलंकी ने बताया कि घोसी समाज बहुत क्षेत्र उदयमंदिर से बीते 20 वर्षों से दावेदारी पेश कर रहे शफी मोहम्मद सोलंकी का अंतिम समय में, टिकट काटकर बाहरी प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया गया।

दुष्कर्म का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती के साथ उसके भाई के दोस्त ने दुष्कर्म किया। घटना रिववार दोपहर की है।इसमें मीडिटा की तरफ से अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है। पौडिता का मेटाडिक करवाए जाने के साथ अब अग्रिम जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिला पश्चिम में पौडिता रिववार की दोपहर में अपने घर पर अकेली थी।

आहोर संवाददाता के अनुसार : आहोर कांग्रेस कार्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब प्रभाी सचिन पायलट का जन्मदिवस शोरी शोकेत के साथ मनाया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने केक काटकर पायलट का जन्मदिन मनाया। कार्यकर्ताओं ने पायलट की लंबी उम्र के साथ संगठन में उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी रही सरजन चौधरी, कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी डॉ संजीव राजपुरोहित, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, ब्लाक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह डोडियाली, जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव खुशालसिंह राजपुरोहित, पूर्व उपाध्यक्ष आमसिंह परिहार सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

व्यक्तिगत पकड़ को लेकर सकारात्मक माहौल की बात सामने आती है, लेकिन चुनौती राजनीति में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि समर्थन की चर्चा वास्तविक वोट में कितना बदलती है।

एक हजार से कुछ अधिक मतदाताओं वाले वार्ड में घर–घर संपर्क, परिवारों से संबंध, मतदाताओं की व्यक्तिगत पसंद और मतदान प्रतिशत–ये सभी परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए केवल भौड़, प्रचार या सोशल मीडिया की सक्रियता को जमीनी पकड़ का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

विजय डांगरा का पवन सूदा से सीधा मुकाबला

दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी पवन सूदा भी अपने स्थानीय संपर्क और समर्थकों के आधार पर मुकाबले में हैं। इसलिए विजय डांगरा के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल कांग्रेस प्रत्याशी से मुकाबला करना नहीं, बल्कि अपने पक्ष में दिखाई दे रहे समर्थन को अंतिम समय तक बनाए रखना और मतदान में बदलना है।

पाली शहर में मुख्यमंत्री का रोड शो आज

पाली, (नि.सं.)। पाली नगर निगम के चुनाव अब चरम सीमा पर हैं। भाजपा 64 और कांग्रेस 54 पर चुनाव लड़ रही है। वार्ड 55 में कांग्रेस प्रत्याशी भाजपा के समर्थन में बैठ गए। चुनाव में कई नेताओं के पति–पुत्र–पत्नी खड़े हैं। वहीं 8 तारीख को मुख्यमंत्री के रोड शो है।

चुनाव में पूर्व सभापति कुसुम सोनी भाजपा का टिकट नहीं मिलने के कारण निर्दलीय खड़ी हुईं। वहीं पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़ की पत्नी राजबाला कांग्रेस से मेयर की दावेदार हैं। कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी व जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह प्रत्याशियों के समर्थन में रोज वार्ड में पहुंच रहे हैं। वहीं भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानचंद पाराख व जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी पूरे शहर में अपने प्रत्याशियों का प्रचार में जुटे हैं।

वार्ड एक नंबर और दो नंबर दोनों जगह कांग्रेस के गजेंद्र सिंह मंडली व नीलम बिरला प्रचार में आगे चल रहे हैं। वहीं वार्ड 32 में पूर्व सभापति राकेश भाटी जो भाजपा से कांग्रेस में आए हैं, रैली निकाल कर ताकत दिखा चुके हैं। उनके सामने उनके साले की बहू पूर्णिमा

वार्ड 32 में किसी तीसरे मजबूत प्रत्याशी के कारण वोटों के बंटवारे वाली स्थिति नहीं होने से मुकाबला और अधिक सीधा हो गया है। यही वजह है कि यहां दोनों प्रमुख प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि, घर–घर संपर्क और संगठन की सक्रियता निर्णायक बन सकती है।

वार्ड 32 में विजय डांगरा के लिए चुनाव युवा नेतृत्व, व्यक्तिगत जमीनी संपर्क और भाजपा संगठन–तीनों को एक साथ परिणाम में बदलने की परीक्षा है। यदि उनका व्यक्तिगत समर्थन बृ्ध स्तर पर भी प्रभावी मतदान में बदलता है तो वे मजबूत स्थिति बना सकते हैं। लेकिन अंतिम फैसला मतदाताओं के मतदान से ही होगा।

वार्ड 32 का सवाल अब यह नहीं कि किसके पास ज्यादा प्रचार है, बल्कि यह है कि मतदान के दिन किस प्रत्याशी का जमीनी संपर्क सबसे अधिक वोट में बदलता है।

वार्ड 35 में सुशीला के समर्थन में विधायक भाटी का प्रचार

जैसलमेर। नगरपरिषद चुनाव को

लेकर वार्ड संख्या 35 में भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी जेठा के समर्थन में सोमवार को विधायक छोटू सिंह भाटी ने जनसंपर्क एवं चुनाव प्रचार किया। विधायक भाटी के वार्ड में पहुंचने पर डा. जेठा ने उनका माल्यापण कर एवं शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस दौरान विधायक भाटी ने वार्डवासियों से संवाद करते हुए भाजपा सरकार एवं स्थानीय स्तर पर किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से शहर में पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

भाटी ने वार्डवासियों से भाजपा प्रत्याशी सुशीला देवी जेठा के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के लिए भाजपा को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने सुशीला देवी जेठा को भारी मतों से विजयी बनाने का आ न किया।

प्रचार के दौरान वार्ड के भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में माहौल बनाने का प्रयास किया गया।

अन्योदय श्रेणी में गलत पहुंचे परिवार जांच के घेरे में

जैसलमेर, (नि.सं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अत्यंत गरीबों के लिए निर्धारित अन्योदय श्रेणी का लाभ गलत तरीके से लेने वाले 66 परिवार जिला रसद विभाग की जांच के घेरे में आ गए हैं। जांच के दौरान उन परिवारों के राशनकार्ड सामने आए हैं, लेकिन अन्योदय श्रेणी में चयन से संबंधित वैध दस्तावेज आवेदन के साथ नहीं मिले। कई कार्ड पहले बीपीएल और एपीएल श्रेणी में थे, जिन्हें बाद में ई–मित्र के माध्यम से अन्योदय श्रेणी में परिवर्तित कर दिया गया।

■ जैसलमेर जिले के 66 परिवार की जांच

जिला रसद अधिकारी सवाई राम ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने संबंधित राशन कार्डधारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवारों को वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। निर्धारित अवधि में दस्तावेज पेश नहीं करने पर उनसे गेहूं की राशि वसूल की जाएगी। उन्होंने बताया कि सामान्य एनएफएसए और सामान्य परिवारों को अन्योदय योजना की तुलना में कम गेहूं मिलता है। सामान्य को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अन्योदय परिवार को प्रति राशनकार्ड 35 किलोग्राम गेहूं प्रतिमाह उपलब्ध करवाया जाता है। ऐसे में गलत तरीके से श्रेणी परिवर्तन करवाये जाने से खाद्य सुरक्षा योजना के वास्तविक पात्रों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है।

विभाग ने साफ़ किया है कि केवल राशनकार्ड धारियों की ही नहीं, बल्कि ई–मित्र संचालकों की भूमिका की भी जांच होगी। यदि जांच में किसी ई–मित्र राशनकार्ड की ओर से नियमों की विपरित आवेदन कराया जाना सामने आता है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि इन परिवारों की नोटिस जारी कर दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है, अगर वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो अब तक उन्होंने जो भी गेहूं लिया है। उसकी 32 रूपये की प्रति किलोग्राम की दर से वसूली की जाएगी।

जालोर में कांग्रेस की सभा हुई

क्षेत्र समन्वयक हिमपाल सिंह देवल, पूर्व जिलाध्यक्ष नैन सिंह राजपुरोहित, लाल सिंह धानपुर, जुल्फ़ीकार अली धुल्ल, सुरेंद्र दवे, भरत कुमार, बसंत सुथार, शोभा सुंदेसा, लक्ष्मण साखला, सुभित्ता गांग, नरेश राणा, अरबू शेख, वैभव गहलोत, पवन दवे, बंशीलाल माली, मिश्रीमल गहलोत, इंदु परिहार, कामिनी शर्मा, सुरेश मेघवाल ने भी संबोधित किया।

आमसभा के दौरान गजेंद्र सोनी, रवि सोनी, करण सोनी, जयेश मेवाडा, लक्ष्मण पुरी, अरविंद प्रजापत, अंकित तंवर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एन सिंह रहमान खान, सीमा कुमारी, हनुमान राजपुरोहित, पूर्व जिलाध्यक्ष भंवर लाल मेघवाल, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एन सिंह राठौड, पीसीसी महासचिव लाल सिंह राठौड, ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह डोडियाली, नगर अध्यक्ष भंवर नामदेव, ब्लॉक अध्यक्ष भोभाराम मेघवाल, शीला चौधरी, भंवरलाल मेघवाल, हरीश परमार, पुखराज माली, मोरकी और सीरवेज की बड़ी समस्या है, जिसका समाधान भाजपा के 15 वर्षों के नगर परिषद बोर्ड के कार्यकाल में नहीं हो सका।

आमसभा को जालोर विधानसभा